हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

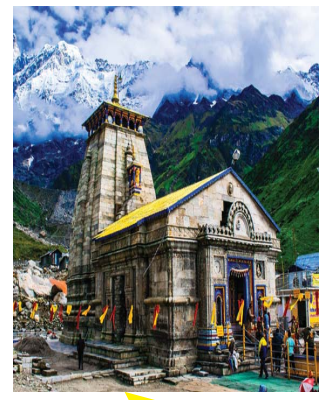

वर्ष:4 अंक:280 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कैबिनेट के आठ महत्वपूर्ण निर्णय

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य कार्मिकों के हित, समान नागरिक संहिता के अंतर्गत संशोधन सहित कई नीतिगत मामलों पर कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दी। मुख्य बिंदु इस प्रकार रहे

1. महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर सेवा नियमावली में संशोधन

कैबिनेट ने उत्तराखंड महिला एवं बाल विकास अधीनस्थ सुपरवाइजर सेवा नियमावली 2021 में संशोधन को मंजूरी दी। पूर्व में सुपरवाइजर पद पर 50% सीधी भर्ती, 40% आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा 10% मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्री के माध्यम से पदोन्नति का प्रावधान था। अब भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत सभी मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों को पूर्ण आंगनवाड़ी केंद्रों में उच्चीकृत किया जा रहा है। ऐसे में मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्री के 10% पदोन्नति कोटा को आंगनवाड़ी कार्यकत्री के कोटे में शामिल करते हुए पदोन्नति का प्रतिशत 40 से बढ़ाकर 50 कर दिया गया है।

2. रायपुर क्षेत्र में फ्रिज जोन में आंशिक संशोधन

रायपुर एवं आसपास के उन क्षेत्रों में, जहां विधानसभा परिसर प्रस्तावित है, फ्रिज जोन घोषित किया गया था। अब कैबिनेट ने इसमें आंशिक संशोधन करते हुए छोटे घरों (Low Density Housing) और छोटी दुकानों के निर्माण की अनुमति दे दी है। इन निर्माणों के मानक आवास विकास विभाग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य पर्यवेक्षक नियमावली में संशोधन

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों की सेवा नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। अब 5 वर्ष की संतोषजनक सेवा के बाद कर्मचारी अपने जीवनकाल में एक बार पारस्परिक स्थानांतरण (Mutual Transfer) कर सकेंगे।

नए जिले में स्थानांतरण के बाद वे उस जनपद के सबसे जूनियर माने जाएंगे। साथ ही, रिक्त पदों की उपलब्धता के आधार पर पहाड़ से पहाड़ और मैदानी जनपदों से पर्वतीय जनपदों में भी स्थानांतरण की सुविधा होगी। इसके मानक विभाग द्वारा तय किए जाएंगे।

4. समान नागरिक संहिता (UCC) के अंतर्गत विवाह पंजीकरण में संशोधन

ऑनलाइन विवाह पंजीकरण में आवश्यक दस्तावेजों को लेकर संशोधन को मंजूरी दी गई। अब आधार कार्ड के साथ-साथ नेपाल, भूटान एवं तिब्बती मूल के व्यक्तियों के लिए उनके संबंधित नागरिकता प्रमाण पत्र, भारत में 182 दिनों से अधिक प्रवास हेतु मिशन द्वारा जारी प्रमाणपत्र तथा विदेशी पंजीकरण अधिकारी द्वारा जारी वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र को भी मान्य दस्तावेज माना जाएगा।

5. राज्य कर्मचारियों की पदोन्नति में शिथिलीकरण नियमावली में संशोधन

राज्य कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए आवश्यक अर्हकारी सेवा अवधि में शिथिलीकरण की नियमावली में संशोधन का निर्णय लिया गया, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति में अधिक सुविधा मिलेगी।

6. विधानसभा सत्रावसान के संबंध में निर्णय कैबिनेट के संज्ञान में

मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में विचलन के माध्यम से विधानसभा का सत्रावसान किए जाने के निर्णय को कैबिनेट के संज्ञानार्थ लाया गया।

7. राज्य स्थापना दिवस पर विशेष सत्र की तैयारी

राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर उत्तराखंड राज्य की पंचम विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस सत्र की तिथि निर्धारण के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया है।

8. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को लाभांश का 15% राज्य सरकार को देना होगा

राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने कर पश्चात लाभ (Profit After Tax) का 15 प्रतिशत राज्य सरकार को लाभांश के रूप में देंगे। इस प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने अपनी मंजूरी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अस्पताल में भर्ती विधायक फकीर राम से की मुलाकात, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

पथ प्रवाह, संवाददाता हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हल्द्वानी भ्रमण के दौरान गंगोलीहाट के विधायक फकीर राम से मुलाकात की, जो उपचार हेतु एक निजी चिकित्सालय में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय पहुंचकर विधायक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उपचार की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय प्रबंधन को विधायक के उत्तम उपचार हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए।

मोदी ने मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास पर पुरी का लेख किया साझा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का एक लेख साझा किया है जिसमें व्यापकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकास के प्रति भारत के विशिष्ट दृष्टिकोण का उल्लेख किया गया है। मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर उनका लेख साझा करते हुए लिखा, पुरी ने इस लेख में इस बात पर प्रकाश डाला है कि जहां विकसित देश सीमित हो रहे हैं वहीं भारत व्यापकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के माध्यम से एक अलग रास्ता अपना रहा है। उन्होंने कहा कि सुधार, डिजिटल नवाचार और युवा कार्यबल भारत को विश्व के विकास इंजन के रूप में उभरने में सहायता कर रहे हैं। पुरी ने एक अंग्रेजी दैनिक में लिखा जैसे पूरे

भारत में दीपक जलाए जाते हैं, रामायण का एक कालातीत दृश्य हमारे वर्तमान को बयां करता है। हनुमान अपनी ताकत के बारे में अनिश्चित होकर समुद्र के किनारे खड़े हैं, जब तक जाम्बवंत उन्हें याद नहीं दिलाते कि उनके पास क्या है।

कनाड़ा के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से काम कर रहा है भारत : जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और कनाड़ा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हो रही है और भारत संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से आगे बढ रहा है। भारत और कनाड़ा के विदेश मंत्रियों ने सोमवार को यहां विस्तार से बैठक की और व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई कनाड़ा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढना है।

डा. जयशंकर ने वार्ता के दौरान अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, ÷ हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए

आवश्यक तंत्रों को फिर से स्थापित और सक्रिय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कनाड़ा के प्रधानमंत्री कार्नी के साथ कनानसकीस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की बात को दोहराया और कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान भी आपको भारत के दृष्टिकोण और उसे साकार करने की सकारात्मक सोच का पता चला होगा।

शाह ने 9300 करोड़ रुपए से अधिक विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास एवं लोकार्पण

जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राजस्थान की राजधानी जयपुर में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से चार लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग तथा लगभग 9300 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। श्री शाह ने सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित कार्यक्रम में नये कानूनों के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिए लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद इसका अवलोकन किया। इसके बाद आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने रिमोट बटन दबाकर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने प्रदेश के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के लिए उनके अभिभावकों के बैंक खाते में 240 करोड़ एवं पांच लाख दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के 364 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण किया। उन्होंने 150 यूनिट मुफ्त

बिजली योजना के तहत रजिस्ट्रेशन का शुभारम्भ भी किया। श्री शाह ने प्रदेश के दूरदर्शी विकास की संकल्पना को समर्पित विकसित राजस्थान-2047 कार्ययोजना का विमोचन भी किया। शाह ने शुरुआत में एफएसएल के 56 वाहनों और महिला सुरक्षा पेट्रोलिंग के लिए 100 स्कूटी एवं मोटरसाइकिलों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा और राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा , केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा मौजूद थे। इस अवसर पर जिन कार्यों का लोकार्पण हुआ उनमें भुसावर बाईपास एवं सड़क निर्माण के 436.54 करोड़ के 20 कार्य, पशु चिकित्सा उपकेन्द्र एवं पशु चिकित्सालयों के 1108.57 करोड़ के 57 कार्य, खारा पानी एक्वाकल्चर प्रयोगशाला चूरू के 1.40 करोड़ के कार्य, बीमा भवन, उपपंजीयक एवं उप महानिरीक्षक कार्यालय, जयपुर के भवनों का निर्माण 179.69 करोड़ रुपए के तीन कार्य, अभीम योजना के तहत ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिटों के भवन निर्माण के 615.81 करोड़ के 12 कार्य, 15वां वित्त आयोग के तहत उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण के 723.10 करोड़ के 21 कार्य, एनआरएचएम के तहत ड्रग वेयर हाउस एवं लैक्टेशन मैनेजमेन्ट युनिट, चित्तौड़गढ़ के भवनों के 158.60 करोड़ के दो कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी बोले सहकारिता से समृद्धि की राह पर अग्रसर उत्तराखंड

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रीनगर में नौ दिवसीय सहकारिता मेले का किया शुभारंभ, महिलाओं और किसानों के उत्पादों को सराहा

पथ प्रवाह, श्रीनगर । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को आवास विकास मैदान श्रीनगर में आयोजित नौ दिवसीय सहकारिता मेले में प्रतिभाग करते हुए कहा कि उत्तराखंड सहकारिता से समृद्धि की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन राज्य में ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण का प्रेरक सूत्र बन रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों एवं संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्थानीय उत्पादों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता समाज को जोड़ने और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह मेला सहकारिता की भावना को और प्रगाढ़ करेगा तथा महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर देगा।

उन्होंने कहा कि सहकारिता भारत की संस्कृति और जीवन पद्धति का प्रतीक है, जिसकी झलक ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ की भावना में दिखाई देती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 को विश्व सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है और केंद्र सरकार ने सहकारिता से समृद्धि के लक्ष्य को साकार करने हेतु अलग सहकारी मंत्रालय का गठन किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अब तक 671 सहकारी समितियों का कंप्यूटरीकरण पूरा किया जा चुका है, जबकि 5511 समितियों में से 3838 समितियों के अभिलेख राष्ट्रीय सहकारी पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि मंडुवा की खरीद में इस वर्ष 5.50 रुपये प्रति किलो की वृद्धि कर 48.86 प्रति किलो के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय किया जा रहा है। किसानों को पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान कल्याण योजना के तहत 3 लाख तक और महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक का ब्याजमुक्त ऋण प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रदेश के सहकारी बैंकों में 16,000 करोड़ की सहकारी पूंजी जमा होना जनता के विश्वास का प्रमाण है।

लखपति दीदी अभियान से महिला उद्यमिता को नई दिशा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिला उद्यमिता को नई दिशा मिल रही है और ÷लखपति दीदी अभियान÷ तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा÷ कथन को राज्य की महिलाएँ अपने गुणवत्तापूर्ण उत्पादों से साकार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि श्रीनगर में सीवर लाइन एवं पेयजल आपूर्ति की डीपीआर प्राप्त होते ही तत्काल स्वीकृति दी जाएगी, जिससे नगर में 15 घंटे तक निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

राज्य में 31 लाख लोग सहकारिता से जुड़े – लक्ष्य 50 लाख का

कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 31 लाख लोग सहकारिता से जुड़े हैं, जिसे 50 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से 16 लाख किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण वितरित किया गया है।

श्रीनगर में आयोजित इस मेले में महिला स्वयं सहायता समूहों ने लगभग 35 लाख का व्यापार किया, जबकि कुल मिलाकर 1 करोड़ का व्यापार हुआ है। मंत्री ने बताया कि कॉपरेटिव विभाग वर्तमान में 30 करोड़ के लाभ में है और ÷लखपति दीदी योजना÷ के तहत महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य में रोजगार के अवसरों में निरंतर वृद्धि हो रही है। कल 1500 एलटी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे, जिससे राज्य में रोजगार का आंकड़ा 26,500 के पार पहुंच जाएगा।

महिला समूहों को 5-5 लाख के चेक वितरित

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए –

शक्ति स्वयं सहायता समूह, उड़ान स्वयं सहायता समूह, सवेरा स्वयं सहायता समूह, महादेव स्वयं सहायता समूह और मालन स्वयं सहायता समूह को 5-5 लाख के चेक प्रदान किए गए।

वसुंधरा स्वायत्त सहकारिता पसीणा और जय भोलेनाथ स्वायत्त सहकारिता कंडेरी को कृषि यंत्रों हेतु 4-4 लाख के चेक दिए गए।

गुच्छी उत्पादन तकनीक के लिए नवीन पटवाल को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने विद्यालय के बच्चों की उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी सराहना की और

नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकत करने वाले पिता को 5 साल की कठोर सजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नाबालिग पुत्री के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में एफटीएससी/अपर जिला जज रुड़की रमेश सिंह ने आरोपी पिता को दोषी पाते हुए पांच वर्ष के कठोर कारावास व डेढ़ लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। शासकीय अधिवक्ता भूपेंद्र चौहान ने बताया कि कोतवाली रुड़की निवासी शिकायतकर्ता महिला ने माह जनवरी 2021 में आरोपी से दूसरा निकाह किया था। निकाह के बाद शिकायतकर्ता महिला पहले पति से 13 वर्षीय पुत्री पीड़िता व दो छोटे बेटो को दूसरे पति के घर लेकर आई थी। तभी से आरोपी पति बच्चों के साथ दुर्व्यवहार व बेटों की पढ़ाई छुड़वाकर मजदूरी करवाने लगा था। नाबालिग पुत्री के साथ अश्लील हरकतें करने का विरोध करने पर आरोपी शिकायतकर्ता महिला के साथ मारपीट करता था। आरोपी ने माह दिसंबर 2022 में नाबालिग पुत्री को कमरे में खींचकर दरवाजा बंद कर लिया था। जिसपर शिकायतकर्ता महिला ने किसी तरह से लोगों की मदद से अपनी पुत्री को आरोपी के चंगुल से बचाया था। शिकायतकर्ता महिला व उसकी नाबालिग पुत्री का घर से निकलना बंद कर दिया था। जिसपर शिकायतकर्ता महिला किसी तरह से चुपचाप वहां से निकल कर अपने मायके पहुंची और वहां जाकर पुलिस को शिकायत की थी। जिसमें कहा था कि एक दिन इमलीरोड से आरोपी उसे उसकी नाबालिग पुत्री व पुत्र को जबरदस्ती अपने घर ले आया था। कुछ दिनों तक ठीक रहने के बाद आरोपी शिकायतकर्ता महिला की नाबालिग पुत्री से दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया था। उसके दोनों पुत्रों को अपने पास रखकर मारपीट व डराने धमकाने लगा था। इसके बाद शिकायतकर्ता महिला ने दोबारा पुलिस में शिकायत की थी। शिकायत पर कार्यवाही नहीं होने पर शिकायतकर्ता महिला ने न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। न्यायालय के आदेश से पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। न्यायालय में वादी/पीड़ित पक्ष की ओर से 5 तथा आरोपी की तरफ से 10 गवाह पेश किए गए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा कार्यकर्ताओं में भरा जोश

पथ प्रवाह, हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को हल्द्वानी पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी एवं संगठन पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए ÷स्वदेशी अपनाओ अभियान÷ को राज्य में जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सोशल मीडिया सबसे प्रभावी माध्यम है, और इसके जरिए स्वदेशी उत्पादों के प्रचार-प्रसार से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने जीएसटी दरों में कमी कर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भी इस अभियान को व्यापक स्तर पर फैलाने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया टीम से आग्रह किया कि वे डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग कर ÷हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी÷ के संदेश को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया केवल सूचना प्रसारण का साधन नहीं, बल्कि लोकजागरण का प्रभावी मंच है। पार्टी कार्यकर्ता इसे एक जन-आंदोलन का रूप दें, ताकि राज्य के युवा,

व्यापारी और गृहणियां स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित हों।

चारधाम यात्रा रही ऐतिहासिक, हेलीकॉप्टर सेवा नीति लागू

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा ऐतिहासिक और व्यवस्थित रही। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए केंद्र सरकार की मदद से नई हेलीकॉप्टर सेवा नीति (स्हक्क) तैयार की गई है, जिसके तहत राज्य के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों तक हवाई सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्वास्थ्य, आपातकालीन सेवाओं और संपर्क व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा।

'विकसित उत्तराखंड' के लक्ष्य की ओर अग्रसर सरकार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की सुविधा और विकास के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तराखंड सरकार ÷विकसित उत्तराखंड÷ के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में शासन-प्रशासन के हर स्तर पर पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि जनता को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिले।

एक नजर

अवैध चरस के साथ एक नशा तस्कर पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद पुलिस अपने अपने थाना क्षेत्रों में लगातार अभियान चला रही है। इस क्रम में जहां नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा रहा हैं वही चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद को नशा मुक्त करने व नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भगवानपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान अभियुक्त शावेज उर्फ मौहम्मद मियां पुत्र महबूब निवासी ग्राम दुमझेडा थाना चिलकाना जिला सहारनपुर उ0प्र0 को 1 किलो 400 ग्राम अवैध चरस के साथ हसनपुर मदनपुर के पास से गिरफ्तार किया। जिसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध तमंचे के साथ दबोचा संदिग्ध

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अवैध तमंचा लेकर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे एक अभियुक्त को थाना पथरी पुलिस ने समय रहते गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार युवक से पूछताछ के बाद विधिक कार्रवाई कर रही है। थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम व आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों व असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाये जाने के क्रम में थाना पथरी पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहन/व्यक्तियों की चैकिंग के दौरान पथरी क्षेत्र के घिस्सोपुरा तिराहे से मोहित नाम के एक संदिग्ध व्यक्ति को एक अवैध तमंचा 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।

एक नजर

23 अक्टूबर को भैया दूज पर्व पर रहेगा स्थानीय अवकाश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शासन द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर, 2025 को दशहरा (महानवमी) हेतु निर्बंधित अवकाश के स्थान पर स्थानीय सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। शासन द्वारा निर्बंधित अवकाश के स्थान पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के फलस्वरूप दिनांक 01 अक्टूबर, 2025 को जिलाधिकारी के स्तर से दशहरा (महानवमी) हेतु घोषित तीसरे स्थानीय अवकाश के स्थान पर दिनांक 23 अक्टूबर, 2025 को भैया दूज पर्व पर (दिन बृहस्पतिवार) को कोषागार/उप कोषागारों को छोड़कर जनपद के सभी शासकीय कार्यालयों में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

हरिद्वार पुलिस ने पकड़ा शातिर वाहन चोर, चोरी की दो बाइक बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए जनपद में चलाए जा रहे अभियान के तहत सिडकुल पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने चोरी की दो बाइक भी बरामद की है। थाना सिडकुल पुलिस ने चेकिंग के दौरान डेन्सो चौक के पास से अभियुक्त सिद्धार्थ पुत्र जितेंद्र निवासी मिसरपुर, हाल निवासी किरता मार्केट हेतमपुर रोशनाबाद को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की एक अन्य बाइक भी बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त की गिरफ्तारी से वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

कटारपुर में हुई फायरिंग प्रकरण में वांछित आरोपी दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कटारपुर में हुई फायरिंग की घटना में फरार चल रहे एक ओर आरोपी को पथरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस घटना में शामिल मुख्य आरोपी समेत तीन अभियुक्तों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के मुताबिक 25.09.2025 को ग्राम कटारपुर निवासी अनुज ने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव के ही एक व्यक्ति अर्जुन पुत्र सुरेन्द्र को जान से मारने की नियत से फायर किया जिसमें अर्जुन गम्भीर रूप से घायल हुआ जिसे उपचार हेतु हायर सेन्टर रैफर किया गया। उपरोक्त घटना के सम्बन्ध में मु0अ0स0 536/25 धारा 191(2), 191(3), 190,115(2), 352, 109, 61(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम पोपिन्द्र आदि के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के मुख्य आरोपी अनुज व अन्य दो अभियुक्तों को पथरी पुलिस द्वारा पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा मुकदमा उपरोक्त में अन्य वांछित अभियुक्त गण की गिरफ्तारी के लिए दिशा निर्देश के अनुपालन में थाना पथरी पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित स्थानो पर दबिशे दी गयी एवं मुखबिर मामूर किये गये थे। दिनांक 13 अक्टूबर को घटना में वांछित चल रहे अभियुक्त गण विक्की पुत्र मांगेराम निवासी कटारपुर थाना पथरी जिला हरिद्वार उम्र 22 वर्ष को बहादरपुर जट के निकट स्थित आम के बाग़ के पास से गिरफ्तार किया गया।

एक दिन की प्रशासनिक अधिकारी बनी बेटियों ने फरियादियों को दिलाया न्याय

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की पहल पर अन्तरष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत पांच बालिकाओं को एक दिन का प्रशासनिक अधिकारी बनाया गया। इन बालिकाओं ने जिलाधिकारी के साथ सोमवार को जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण के संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। इस दौरान इन छात्राओं ने प्रशासनिक कार्यों, जिम्मेदारियों एवं जनसेवा के विभिन्न तरीकों को सीखा।

एक दिन की प्रशासनिक अधिकारी के लिए चयनित बालिकाओं ने सोमवार को जिला कार्यालय पहुँचकर जनसुनाई में पहुंचे फरियादियों की फरियाद सुनते हुए सरल समस्याओं के समाधान हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को स्वयं दिये, जबकि कुछ जटिल समस्याओं पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से विचार-विमर्श करते हुए समस्या समाधान की दिशा में कार्य किया गया। जनसुनवाई की शुरूआत में जिलाधिकारी ने बेटियों को जनसुनवाई सहित जिला कार्यालय से संचालित होने वाले कार्यों से अवगत कराया।

जिलाधिकारी से साथ साझा किये अनुभव

इसके पश्चात एक दिन के लिए प्रशासनिक अधिकारी बनी बालिकाओं ने जिलाधिकारी के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिलाधिकारी के साथ बैठकर समस्याएं सुनना एवं उनका निस्तारण करना जिन्दगी के अदभुत लम्हों में से एक है। बालिकाओं ने कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आज के अनुभवों को साझा करेंगी और बालिका शिक्षा तथा लैंगिक समानता के लिए लोगों को प्रेरित करेंगी।

बालिकाओं में बढ़ेगा आत्मविश्वास

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि सरकारी विद्यालयों की बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में जागरूक करने, बालिकाओं के शिक्षा और कैरियर के प्रति जागरूक करने, बालिकाओं के संर्वांगीण विकास के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद में इस कार्य को रिलैक्सो कम्पनी के सहयोग से संचालित किया गया।

इन्हें बनाया एक दिन का प्रशासनिक अधिकारी

शीतल पुत्री तेलूराम, कक्षा 08, जनरल शाहनवाज राजकीय उच्चतम विद्यालय ऐथल।

तनीषा पुत्री शमीम कक्षा 08, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बुक्कनपुर, लक्सर।

ईशा गोयल पुत्री प्रवेश गोयल कक्षा 11, नेशनल कन्या इंटर कॉलेज खानपुर।

तमन्ना पुत्री परविन्दर कुमार कक्षा 09 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर उर्द। अंशिका पुत्री संदीप कुमार, कक्षा 12 अटल उत्कर्ष राजकीय इंटर कॉलेज, मुण्डाखेडा कलां।

अपनी ही हत्या की 30 लाख रुपये की सुपारी देने के अरोप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत 6 हिरासत में

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जमीनी विवाद में विपक्षी को फंसाने के लिए खुद अपनी ही हत्या की साजिश रचने वाले पूर्व जिला पंचायत सदस्य और उसके साथियो को पुलिस ने हिरासत में लिया है। आरोपी अपनी ही लाइसेंसी पिस्टल से 3 युवकों के साथ मिलकर अपनी ही गाड़ी पर फायरिंग करने की योजना बना रहा था। थाना बहादराबाद में तहरीर देकर विपक्षी पर स्वंय की 30 लाख रूपये की सुपारी देने का आरोप भी लगाया था। बहादराबाद पुलिस ने प्रकरण की गम्भीरता से जांच कर सनसनीखेज खुलासा किया। आरोपी की लाइंसेसी पिस्टल जब्त कर ली गई है।

पुलिस के मुताबिक 12.10.2025 को जाकिर पुत्र ताहिर निवासी ग्राम घोड़ेवाला थाना बहादराबाद, जिला हरिद्वार द्वारा थाना बहादराबाद में तहरीर दी गई कि उसके विपक्षी जावेद पुत्र याकूब, याकूब, मुनफेत व जुनेद निवासी ग्राम घोड़ेवाला (जिनसे जमीनी विवाद न्यायालय में विचाराधीन है) ने उसकी हत्या करवाने के लिए 30 लाख रुपये की सुपारी दी है, जिसमें जलालपुर और रुड़की के कुछ युवक शामिल हैं। थानाध्यक्ष बहादराबाद के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा आजम निवासी कान्हापुर, उस्मान निवासी जलालपुर, सोहेल निवासी सोत मोहल्ला रुड़की, खालिक पुत्र सुलेमान तथा शाजिद पुत्र सुलेमान निवासी घोड़ेवाला से गहन पूछताछ की गई, जांच में सामने आया चौंकाने वाला सच।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य जाकिर का जावेद पुत्र याकूब से पिछले 3-4 वर्षों से जमीनी विवाद चल रहा है। विपक्षी पक्ष पर दबाव बनाने और झूठा मुकदमा दर्ज करवाने के उद्देश्य से जाकिर ने अपनी ही हत्या की फर्जी कहानी रच डाली। इसके लिए जाकिर ने आजम, उस्मान और सोहेल को 50,000 रुपये का लालच देकर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से अपनी ही कार पर फायरिंग करने की योजना बनाई थी, ताकि विपक्षी पर झूठा हत्या की सुपारी देने का आरोप लगाया जा सके।

पुलिस टीम द्वारा सख्त पूछताछ करने पर पूरा षड्यंत्र उजागर हो गया और ÷दूध का दूध, पानी का पानी÷ हो गया। पूछताछ के दौरान सभी आरोपी आपस में आरोप-प्रत्यारोप करने लगे और थाने में ही झगड़ा करने लगे। सभी को धारा 170 बी.एन.एस.एस. के अंतर्गत हिरासत में लिया गया। जाकिर की लाइसेंसी पिस्टल, जिसका रिन्यूवल समाप्त हो चुका था, उसके भतीजे खालिक से बरामद की गई। लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने पर जाकिर व खालिक के विरुद्धमु0अ0सं0-400/2025 धारा 21/30 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पिस्टल के लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट संबंधित प्राधिकारी को प्रेषित की जा रही है।

हिरासत में लिए गए आरोपी

1.जाकिर पुत्र ताहिर, निवासी घोड़ेवाला, थाना बहादराबाद

2.खालिक पुत्र सुलेमान, निवासी घोड़ेवाला, थाना बहादराबाद

3.उस्मान पुत्र लियाकत, निवासी जलालपुर, थाना कोतवाली रुड़की

4.सोहेल पुत्र हसरत, निवासी सोत मोहल्ला, थाना कोतवाली रुड़की

5.आजम पुत्र इलियास, निवासी कान्हापुर, थाना कोतवाली रुड़की

6.शाजिद पुत्र सुलेमान, निवासी घोड़ेवाला, थाना बहादराबाद

चाकू और चोरी के मोबाइल फोन के साथ पकड़ा

पथ प्रवाह हरिद्वार। संदिग्ध की तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध को नाजायज चाकू एवं चोरी के मोबाइल फोन के साथ दबोचा। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ कोतवाली रानीपुर पर मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी का नाम राजकुमार ग्राम तिगारिया भूड गजरौला, उत्तर प्रदेश हाल निवासी अम्बडेकर चौक के सामने वाली रोड रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार है।

संपादकीय

नौकरी से बेहतर स्टार्टअप: आत्मनिर्भर भारत की राह

आज का युवा केवल नौकरी पाने का सपना नहीं देख रहा, बल्कि वह खुद नौकरी देने वाला बनना चाहता है। यही सोच भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारें युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं – चाहे वह प्रधानमंत्री मुद्रा योजना हो, स्टार्टअप इंडिया मिशन हो या मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना। इन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को पूंजी, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देकर उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

आज का दौर टैलेंट और टेक्नोलॉजी का है। डिजिटल युग ने हर उस युवा को मंच दिया है जो कुछ कर दिखाने की चाह रखता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने युवाओं को अपने हुनर को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का मौका दिया है। आज अनेक युवतियां रील्स बनाकर करोड़ों रुपये कमा रही हैं। यही नहीं, वीडियो एडिटिंग, कंटेंट क्रिएशन, ग्राफिक डिजाइनिंग, कोडिंग और डिजिटल मार्केटिंग जैसे क्षेत्र युवाओं को घर बैठे रोजगार के अवसर दे रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की दुनिया में भी युवा अपनी नई पहचान बना रहे हैं। मशीनों को सिखाने वाले ये युवा भारत को तकनीकी शक्ति बना रहे हैं। यह समय है अपनी काबिलियत को पहचानने और उसे निखारने का। सरकार तो मार्ग प्रशस्त कर रही है, अब युवाओं को कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है।

ग्रामीण भारत में भी परिवर्तन की लहर है। आज इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, कारपेंटर, मिस्त्री और छोटे ठेकेदार अपने हुनर से प्रतिमाह लाखों रुपये का कारोबार कर रहे हैं। निर्माण उद्योग में योग्यता और अनुभव के आधार पर अवसरों की कोई कमी नहीं। यह इस बात का प्रमाण है कि स्वरोजगार ही भविष्य का सबसे स्थायी रास्ता है।

सरकारी नौकरी का अपना महत्व है, पर उसकी सीमाएं हैं–सीमित पद, कठिन प्रतिस्पर्धा और स्थिर आय। जबकि स्वरोजगार आपकी सोच, मेहनत और रचनात्मकता पर निर्भर करता है। यह आपके सपनों को पंख देता है और समाज में नई ऊर्जा का संचार करता है।

युवा बेरोजगारी का गीत गुनगुनाने के बजाय अपने भीतर के उद्यमी को जगाएं। अपने हुनर को पहचानें, उसे निखारें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें। याद रखिए– सरकारी नौकरी सुरक्षा देती है, लेकिन स्टार्टअप स्वतंत्रता देता है। यही स्वतंत्रता आज के युवा भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

मायावती की मेघा रैली में शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़ गए होंश

कांतिलाल मांडोत

लखनऊ में मायावती ने नौ साल बाद जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया।पांच लाख की जनमेदनी ने समाजवादी पार्टी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया।हाथी की मस्त चाल से सियासत गरमा गई है।उत्तरप्रदेश के साथ बिहार में हलचल तेज हो गई है।उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकस्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए।उत्तरप्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया।परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी।मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगा दिया था।लखनऊ में पार्टी सम्मेलन में पांच लाख की जनमेदनी देखकर मायावती ने कहा कि इनको बुलाया नही गया है।इतने लोग स्वयं चलकर अपनी मर्जी से पार्टी सम्मेलन का हिस्सा बने है। मायावती ने भाजपा और समाजवादी दोनो पर निशान साधते हुए बहुजन समाज एकता और राजनैतिक पुनरुत्थान का बिगुल फूंका।मायावती हर समय अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है।मायावती की साख में उनकी पार्टी के पतन के साथ ही कमी महसूस की गई है।मायावती और बसपा की रणनीति का हिस्सा रहा है।दलितों को अपनी मुट्ठी में समझने वाली मायावती ने अपनी पार्टी का सिम्बोल हाथी का स्टेच्यू लखनऊ आदि शहरों में लगवा दिया था।मायावती की उड़ान मन्द पड़ गई है।अब मायावती की झोली खाली है।दलितों को बराबरी का सपना दिखाने वाली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने वाली मायावती का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था।मायावती का सपना तो पूरा नही हुआ,पर अब तक अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती उसके सामने है। मायावती की हार का असली कारणों और मुद्दों को दरकिनार करके स्वर्ण और सतारूढ़ दल पर अनर्गल आरोप लगाकर राजनीति जमीन तैयार करना बसपा की रणनीति रही है।चार दशक पहले बहुजन समाजपार्टी जिन मुद्दों,नारो,रणनीति, सामाजिक समीकरण और सेना के सहारे संसदीय रणनीति में उतरी थी,आज भी उसी के सहारे खड़ी है।जबकि सच्चाई यह है कि चार दशक में देश और प्रदेश की राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है।लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ओमप्रकाश चौटाला, मायावती आदि दर्जनभर नाम पीएम की पहली पंक्ति में थे।लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी के विकास को देखकर ये नेता प्रधानमंत्री बनने का विचार छोड़ दिया।इन नेताओं ने कहा कि मोदी सुपर है।इनके जैसा कार्य हमसे नही हो सकता है।मायावती के सपने मोदी के बाद झूलते नजर आए।दलित और अति पिछड़े समाज में भी अधिक और शैक्षणिक उन्नति हुई है।लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नहीं किया है।जो बदलाव किए है उसे महज सत्ता पाने तक सीमित रखा।पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई असर नही पड़ा।आज भी मायावती के मन मे विकास की कोई धारणा नही है।विपक्ष पर निशान साधते हुए कांशीराम के बनाये स्मारकों के रखरखाव पर विपक्ष को घेरती नजर आई।सपा ने स्मारकों और पार्कों की हालत खराब कर दी है।लेकिन भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि इनकी सरकार ने मरम्मत कराई ।उपस्थित कार्यकर्ताओ को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा,समाजवादी ,कांग्रेस सभी जातिवादी सोच की पार्टियां है और इनसे संभल कर रहने की चेतावनी दी।मायावती ने कहा कि ये दल संकीर्ण सोच वाले है।मायावती ने एकाधिकार बनाये रखने के लिए ढेर सारे नेताओ को पार्टी से बाहर कर दिया।कुछ खुद चले गए थे।डीएसफोर के जमाने मे नेताओ को बाहर का रास्ता बता दिया।विकास का कोई मुद्दा इनके मन में नही है।नेताओ के जाने के बाद बहुजन समाजवादी पार्टी को वैचारिक और सांगठनिक स्तर भारी कीमत चुकानी पड़ी थीं।जिसके बाद राजनीतिक चाल चलते हुए मायावती ने बहुजन के स्थान पर सर्वजन का नारा दिया।उस दौर में लोगो के पक्ष की बात करदेते थे तो मतदाता पार्टी से अनायास जुड़ जाते थे।निरक्षर समाज और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब लोग दो कीलो चावल और दो लीटर केरोसिन पर वोट देने के लिए और पार्टी का प्रचार के लिए तैयार हो जाते थे।आज शिक्षित समाज किसी भी मुद्दे पर सौ बार विचार करता है।आज किसी को बेवकूफ बनाना टेडी खीर है।अब सर्वजन कौन कहे बहुजन भी मायावती से पीछा छुड़ाता दिख रहा है।2012 में मायावती को विपक्ष की भूमिका दी थी।पांच वर्ष तक मायावती विपक्ष की भूमिका निभाने के बजाय सत्ता के इंतजार में गंवा दिया।

जब सरकार ही ग्राहक बन जाए : स्वदेशी बनाम विदेशी की असली बहस

राष्ट्रीय चेतना की प्रयोगशाला में नीति और जिम्मेदारी का परीक्षण

डॉ किशोर कुमार पंत

स्वदेशी – यह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने जब चरखे को आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनाया, तब उन्होंने केवल सूत नहीं काता, बल्कि एक विचार बोया – अपने श्रम, अपने संसाधनों और अपनी क्षमता में विश्वास का विचार। आज जब वैश्वीकरण के दौर में हर निर्णय विदेशी पूँजी और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार के दबावों के बीच लिया जा रहा है, तब यह प्रश्न और गूढ़ हो जाता है कि क्या स्वदेशी अब केवल एक भावनात्मक स्मृति रह गया है, या यह अब भी हमारे राष्ट्रीय चरित्र का सक्रिय तत्व है?

राष्ट्र के आर्थिक और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रश्न केवल जनता के आचरण तक सीमित नहीं रह सकता। यह उस नीति और प्रशासनिक विवेक का भी प्रश्न है, जो किसी लोकतांत्रिक सरकार के अस्तित्व की आत्मा होती है। जनता तो वही खरीदती है जो बाजार उसे उपलब्ध कराता है, और बाजार वही बनाता है जो सरकार अपनी नीति से अनुमति देती है। ऐसे में यदि विदेशी वस्तुएँ और ब्रांड भारतीय बाज़ार पर हावी हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि जनता ने स्वदेशी भावना खो दी – बल्कि यह इस बात का संकेत है कि नीतिगत स्तर पर स्वदेशी सोच को वह स्थान नहीं मिला जिसकी उसे आवश्यकता थी।

यह विडंबना किसी से छिपी नहीं कि सरकारें ÷स्वदेशी अपनाओ÷ का नारा देती हैं, पर नीतियाँ विदेशी पूँजी को खुले दरवाज़े पर स्वागत करती हैं। सरकारी दफ्तरों से लेकर विद्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक उपक्रमों तक हर जगह विदेशी तकनीक, विदेशी मशीनरी और विदेशी सॉफ्टवेयर का बोलबाला है। सरकार स्वयं सबसे बड़ा उपभोक्ता है – जब वही विदेशी वस्तुओं पर निर्भर है, तो जनता से स्वदेशी अपनाने की अपेक्षा नैतिक रूप से अधूरी लगती है।

शराब का उदाहरण यहाँ एक तीखा प्रतीक बनकर उभरता है। सरकार शराब के टेंडर देती है, लाइसेंस जारी करती है, कर वसूलती है और वितरण व्यवस्था नियंत्रित करती है। लेकिन उसी बोतल पर बड़े अक्षरों में लिखवाती है – ÷शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।÷ यह चेतावनी जनता के लिए होती है, जबकि लाभ सरकार का। यही स्थिति विदेशी वस्तुओं के मामले में भी है – चेतावनी तो भावनात्मक अपीलों के रूप में जनता को दी जाती है, पर निर्भरता की नीति सरकार स्वयं बनाती है।

÷मेक इन इंडिया÷ का नारा जब दिया गया था, तब उसमें उम्मीद की लहर थी। परंतु आज अधिकांश विदेशी ब्रांड ÷मेक इन इंडिया÷ के नाम पर ही भारत में उत्पादन कर रहे हैं – तकनीक विदेशी, नियंत्रण विदेशी, लाभांश विदेशी, और निर्णय विदेशी बोर्डरूम में। भारतीय श्रमिक केवल असेंबली लाइन पर खड़ा है। यह स्वदेशी नहीं, विदेशी मॉडल का भारतीय आवरण है। नीति का यह दोहरापन हमारे उद्योगों और कौशल को भीतर से कमजोर कर रहा है।

स्वदेशी का अर्थ केवल ÷देश में बना हुआ÷ नहीं है, बल्कि यह ÷देश के विचार से बना हुआ÷ होना चाहिए। विदेशी पूँजी या तकनीक को अपनाना गलत नहीं, पर उसे नीति की दिशा बना देना आत्मनिर्भरता के सिद्धांत के विपरीत है। जब सरकारें अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और परामर्शदाताओं की सिफारिशों पर योजनाएँ बनाती हैं, तब यह संदेश स्वतः जाता है कि ÷विदेशी ही श्रेष्ठ है।÷ यही मानसिकता स्वदेशी भावना के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

जनता को ÷जागरूक÷ बनाने की जिम्मेदारी बार-बार दोहराई जाती है, पर सरकारें यह भूल जाती हैं कि नीति-निर्माताओं को भी ÷जागरूक÷ होना चाहिए। विदेशी वस्तुओं की अनुमति, आयात-निर्यात नीति, कर ढाँचा, व्यापारिक अनुज्ञाएँ – ये सब सरकारी नियंत्रण में हैं। जनता तो वही खरीदेगी जो सस्ता, उपलब्ध और गुणवत्तापूर्ण है। अतः यदि स्वदेशी उद्योग पिछड़ रहे हैं, तो दोष उपभोक्ता का नहीं, नीति का है जिसने उन्हें प्रतिस्पर्धा में अकेला छोड़ दिया।

स्वदेशी को व्यवहार में लाने के लिए सबसे पहले शासन-तंत्र को उदाहरण बनना होगा। यदि सरकारी भवनों में स्वदेशी निर्माण सामग्री, कार्यालयों में भारतीय सॉफ्टवेयर, स्कूलों में स्थानीय उत्पादित उपकरण और सरकारी खरीद में देशी उत्पाद प्राथमिकता से अपनाए जाएँ, तो समाज स्वयं उस दिशा में आगे बढ़ेगा। नीतिगत प्राथमिकता ही सामाजिक आदत बनती है।

स्वदेशी और वैश्वीकरण परस्पर विरोधी नहीं, परंतु प्राथमिकता का प्रश्न है। वैश्विक युग में विदेशी सहयोग आवश्यक है, पर आत्मनिर्भरता के मूल सिद्धांत को भूलकर नहीं। यदि चीन, जापान, जर्मनी और कोरिया अपने संसाधनों के बल पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अग्रणी हो सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं? हमारे पास श्रम, प्रतिभा, संसाधन और बाजार – सब कुछ है, बस राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है।

सरकार का दायित्व केवल विकास नहीं, बल्कि विकास की दिशा तय करना भी है। यदि आर्थिक नीतियाँ विदेशी पूँजी के लाभ हेतु बनें और स्वदेशी उद्योगों के लिए कर, लाइसेंस और कच्चे माल की कठिनाइयाँ बनी रहें, तो यह ÷विकास÷ नहीं, बल्कि निर्भरता का जाल है। स्वदेशी की रक्षा व्यापारिक संरक्षणवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्म-सम्मान की रक्षा है।

शिक्षा, रक्षा और कृषि – ये तीन क्षेत्र स्वदेशी चेतना के स्तंभ हैं। शिक्षा में यदि विदेशी मॉडल को अंधानुकरण के रूप में अपनाया जाएगा, तो हमारी जड़ों से जुड़ी सोच समाप्त हो जाएगी। रक्षा क्षेत्र में यदि हम लगातार विदेशी आयात पर निर्भर रहेंगे, तो स्वाभिमान खो देंगे। कृषि में यदि विदेशी बीज और तकनीक हावी रहेगी, तो हमारा किसान आत्मनिर्भर नहीं रह पाएगा। इसलिए ÷स्वदेशी÷ का अर्थ इन तीनों क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता, नवाचार और स्थानीय संसाधनों पर भरोसा होना चाहिए।

÷आत्मनिर्भर भारत÷ तभी सार्थक होगा जब यह नारा कागज़ से उतरकर नीति की हर पंक्ति में दिखाई दे। हर मंत्रालय, हर विभाग को यह आत्मपरीक्षण करना चाहिए कि उसका निर्णय विदेशी निर्भरता बढ़ा रहा है या स्वदेशी सशक्तिकरण। यह केवल आर्थिक नीति का नहीं, बल्कि राष्ट्रनीति का प्रश्न है।

जनता पहले से जागरूक है। आज का उपभोक्ता गुणवत्ता और मूल्यों के प्रति सजग है। उसे किसी प्रचार की आवश्यकता नहीं। आवश्यकता है कि सरकार स्वयं जवाबदेह बने। जब नीति की हर रेखा, बजट की हर राशि और टेंडर की हर फाइल यह ध्यान में रखकर तैयार की जाएगी कि ÷यह निर्णय राष्ट्रहित में है या नहीं,÷ तभी शासन में स्वदेशी की आत्मा प्रवेश करेगी।

स्वदेशी कोई नारा नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा की पुकार है। जनता ने अपना कार्य कर दिया – अब बारी शासन की है। जब तक स्वदेशी की भावना सत्ता के निर्णय-टेबल तक नहीं पहुँचेगी, तब तक यह सड़कों और सोशल मीडिया तक सीमित रहेगा। सरकारें ÷विदेशी निवेश÷ के आँकड़ों से जितना उत्साहित होती हैं, उतना ही गौरव उन्हें ÷स्वदेशी उत्पादन÷ के आँकड़ों से होना चाहिए।

अब समय है कि सरकारें भी ÷जागरूक नागरिक÷ बनने की जिम्मेदारी स्वीकार करें। नीति की हर दिशा में यह चेतना जीवित रहनी चाहिए कि राष्ट्र का सम्मान, आत्मनिर्भरता की बुनियाद पर ही टिकता है। क्योंकि जब सरकार ही ग्राहक बन जाए, तब स्वदेशी या विदेशी का निर्णय जनता नहीं, सरकार की ईमानदारी तय करती है। जनता पहले से तैयार है – अब सरकार को जागना है।

सोसल एक्टिवीस्ट,राष्ट्रीय चिंतन
(संयोजक, वनाग्नि विहिन हिमालय अभियान, उत्तराखंड)

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

ललित गर्ग

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात् स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है।

जनता दरबार में गूंजे जनमन के स्वर, डीएम सविन बंसल ने दिए तत्काल राहत व कार्रवाई के आदेश

मोबाइल टावर सीज, गुंडा एक्ट में कार्रवाई, पेंशन भुगतान, बीमारों को इलाज व असहायों को सहारा ; जनता दर्शन में डीएम बने 'जनता के मददगार'

पथ प्रवाह, देहरादून।

जनसमस्याओं के समाधान को समर्पित जिलाधिकारी सविन बंसल सोमवार को ऋषिपर्णा सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम में एक बार फिर ÷जनता के डीएम÷ के रूप में नजर आए।

दूरदराज से पहुंचे नागरिकों की भूमि विवाद, पेंशन, घरेलू हिंसा, अवैध कब्जा, दैवीय आपदा, स्वास्थ्य सहायता, मुआवजा व प्रशासनिक लापरवाही से जुड़ी 151 शिकायतें सुनकर डीएम ने अधिकांश का निस्तारण मौके पर ही कर दिया।

किराया डिफॉल्ट–डीएम ने सीज कराया मोबाइल टावर

अधोईवाला निवासी बुजुर्ग सुशीला देवी ने बताया कि उनके घर पर वर्ष 2007 से मोबाइल टावर लगा है, जिसका अनुबंध समाप्त हुए कई वर्ष बीत चुके हैं और 2017 से कंपनी किराया भी नहीं दे रही। शिकायत पर डीएम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए टावर को सीज करने और हटाने के आदेश जारी किए।

उपद्रवी दिव्यकांत लखेडा पर कसी शिकंजा

ऋषिविहार माजरीमाफी क्षेत्र के नागरिकों और पीड़ित मां ने बताया कि दिव्यकांत लखेडा नामक व्यक्ति ने पूरे मोहल्ले का जीना दूभर कर रखा है। महिलाओं से अभद्रता, गाली-गलौज और अपराध प्रवृत्ति की शिकायत पर जिलाधिकारी ने गुंडा एक्ट में वाद दर्ज कर फास्ट ट्रैक सुनवाई के निर्देश दिए।

डीएम के प्रयास से मिली भूमि का अधिकार

दो वर्षों से नगर निगम और अपनी भूमि के सीमांकन को लेकर परेशान राकेश तलवाड़ (75) को आखिर जिला प्रशासन की मदद से अपनी भूमि का अधिकार मिला। प्रसन्न होकर उन्होंने डीएम बंसल को आशीर्वाद देते हुए कहा–÷अब विश्वास हो गया कि प्रशासन जनता के साथ है।

बुजुर्ग बाबूलाल को मिली राहत

बुड्डी गांव निवासी बाबूलाल ने बताया कि फरवरी 2024 के बाद से उनकी वृद्धावस्था पेंशन बंद हो गई थी। आधार सीडिंग की दिक्कत सामने आने पर जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को 8 माह की पेंशन एरियर सहित भुगतान के निर्देश दिए।

तय–जीएमडीआईसी का रोका गया एक दिन का वेतन

औद्योगिक शिकायत पर बुलाने के बावजूद जीएमडीआईसी के उपस्थित न होने और फोन तक न उठाने पर जिलाधिकारी ने उनका एक दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए, साथ ही भविष्य में इस तरह की लापरवाही पर सख्त चेतावनी दी।

जनता हेल्प डेस्क से दर्ज हुई ऑनलाइन एफआईआर

कैनाल रोड जाखन, बंजारावाला और शेरपुर से पहुंचे नागरिकों–हरप्रीत कौर, बालकराम, राजेन्द्र सिंह सहित 6 लोगों ने बताया कि पुलिस उनकी रिपोर्ट नहीं लिख रही। डीएम ने मौके पर हेल्प डेस्क से ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

नेटवर्क से वंचित सीमांत गांवों को जल्द मिलेगा मोबाइल टावर

कथियान क्षेत्र के करीब 15 गांवों में नेटवर्क समस्या से लोग परेशान थे। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को बीएसएनएल टावर लगाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

बीमारों और असहायों के लिए बना 'मदद का दरबार'

रीतू (किडनी रोगी) – डीएम ने सीएमओ को निर्देशित कर कोरोनेशन अस्पताल में निःशुल्क इलाज के आदेश दिए।

सुनील (फेफड़ों के कैंसर पीड़ित) – डीएम ने राइफल क्लब फंड से आर्थिक सहायता स्वीकृत की।

गंगोत्री गुप्ता, प्रताप सिंह, मुन्ना लाल – इन तीनों की आर्थिक सहायता के प्रस्ताव रायफल क्लब को भेजे गए।

डेन्डो देवी (62 वर्ष) – बायोमेट्रिक न मिलने से आधार कार्ड न बनने की समस्या पर डीएम ने ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को तत्काल समाधान का निर्देश दिया।

भरण-पोषण विवादों में डीएम ने दिखाई सख्ती

84 वर्षीय बुजुर्ग और 68 वर्षीय अशोक धवन ने बेटों पर भरण-पोषण न देने की शिकायत की। जिलाधिकारी ने एसडीएम को वाद दर्ज कर शीघ्र निस्तारण और सीओ सिटी को कोर्ट आदेश अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

दैवीय आपदा प्रभावितों को त्वरित सहायता

कावली रोड, सिधवालगांव और भटाड क्षेत्र से आई शिकायतों पर जिलाधिकारी ने एसडीआरएफ मानकों के अनुसार मौके पर सर्वे कर सहायता राशि वितरण के निर्देश दिए।

परिवहन निगम को बस संचालन पुनः शुरू करने के निर्देश

देहरादून-जौली-थानों मार्ग पर परिवहन निगम की बस सेवा बंद होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन महानिदेशक को बसें पुनः चलाने की कार्रवाई करने को कहा।

अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर डीएम का सख्त रुख

एनएच-7 पर कारगी चौक के पास अवैध निर्माण पर एमडीडीए को त्वरित एक्शन का निर्देश दिया गया, जबकि हरिपुर नवादा में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामले में एसडीएम को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी केके. मिश्रा, एसडीएम कुमकुम जोशी, एसडीएमए स्मृता परमार, विनोद कुमार, उप नगर आयुक्त संतोष पांडेय, डीडीओ सुनील कुमार, तहसीलदार सुरेंद्र सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

बीएचईएल की आर्टिजन भर्ती में धांधली का आरोप लगाकर किया प्रदर्शन

पथ प्रवाह हरिद्वार। बीएचईएल की 515 आर्टिजन भर्ती में धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को अभ्यर्थियों ने बीएचईएल स्टेडियम में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने इस परीक्षा को रद कर दोबारा से कराए जाने की मांग की। उन्होंने भेल के मानव संसाधन निदेशक को भी अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भेजा है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने बताया कि बीती आठ अक्टूबर को 515 आर्टिजन भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था। यह कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा थी। इस परीक्षा में अभ्यर्थियों ने धांधली का आरोप लगाते हुए परीक्षा को निरस्त कर दोबारा आयोजित कराने की मांग की। बताया कि भेल के कॉरपोरेट कार्यालय ने प्राइवेट एजेंसी को परीक्षा की जिम्मेदारी दी थी। दिल्ली, चंडीगढ़, गोवा सहित कई केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया था। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने बताया कि परीक्षा पूर्ण करने के लिए अभ्यर्थी को 90 मिनट का समय दिया गया था। परीक्षा पूर्ण होने के बाद कुछ केंद्रों पर जब सभी अभ्यर्थी बायोमेट्रिक प्रणाली से परीक्षा केंद्र से बाहर आ गए थे उसके बाद उन्हें फिर से केंद्र के अंदर बुलाया गया और पेपर करने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया। जिसके लिए दोबारा परीक्षा देने के लिए बैठे कई अभ्यर्थियों के कंप्यूटर ही नहीं खुले तथा कई परीक्षार्थियों के चयनित उत्तर सबमिट नहीं हुए। दोबारा कंप्यूटर ऑन होने पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान मांग करते हुए कहा गया कि उक्त परीक्षा को तत्काल स्थगित कर दोबारा से प्रादर्शिता के साथ कराया जाए।

हरिद्वार पुलिस ने शहर से लेकर देहात तक चलाया चेकिंग अभियान

पथ प्रवाह हरिद्वार। आगामी त्योहारों के दृष्टिगत हरिद्वार पुलिस सघन चेकिंग अभियान चला रही है। यह अभियान शहर से लेकर देहात तक चलाया जा रहा है। सभी थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ चेकिंग अभियान चला रहे हैं। आगामी त्यौहारों के दौरान जनपद में शांति, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस ने शहर के मुख्य चौराहों, बाजारों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं सामान की गहन जांच की गई। यह अभियान देहात में भी चलाया गया। पुलिस ?अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान हरिद्वार पुलिस द्वारा लगातार गश्त, चेकिंग एवं निगरानी अभियान चलाया जाएगा, ताकि आमजन निश्चिंत होकर त्योहारों का आनंद ले सकें।

स्वास्थ्य कर्मियों को पांच साल की सेवा के बाद एक बार मिलेगा गृह जनपद

कैबिनेट ने दी मंजूरी, एएनएम और स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों की वर्षों पुरानी मांग पूरी

पथ प्रवाह, देहरादून

राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। लंबे समय से लंबित मांग को स्वीकार करते हुए उत्तराखंड कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) और स्वास्थ्य पर्यवेक्षक पांच वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण करने के बाद अपने पूरे सेवाकाल में एक बार जनपद परिवर्तन का अवसर प्राप्त कर सकेंगे। इस फैसले से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हजारों एएनएम और पर्यवेक्षकों को राहत मिलेगी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में कार्यरत एएनएम एवं स्वास्थ्य पर्यवेक्षक अब अपनी सेवाकाल में एक बार अपने गृह जनपद या इच्छित जिले में स्थानांतरण का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों की व्यावहारिक समस्याओं को देखते हुए लिया गया है। अब तक सेवा नियमावली में अंतर्जनपदीय स्थानांतरण का कोई प्रावधान न होने के कारण अनेक कर्मचारी वर्षों से अपनी मांग को लेकर विभाग से गुहार लगा रहे थे। डॉ. रावत ने

बताया कि वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के 2295 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 2083 पदों पर एएनएम कार्यरत हैं, जबकि 212 पद रिक्त हैं। वहीं स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के 338 स्वीकृत पदों में 157 पद भरे हैं और 181 पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल इन कर्मचारियों के लिए राहतकारी है, बल्कि इससे विभागीय कार्यसंस्कृति और सेवा संतुष्टि में भी सुधार आएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कैबिनेट का यह फैसला उन सभी एएनएम और पर्यवेक्षकों के लिए उम्मीद की किरण है जो वर्षों से अपने गृह जनपद में तैनाती की मांग कर रहे थे। अब समान संख्या के आधार पर एक जनपद से दूसरे जनपद में स्थानांतरण संभव होगा।

कैबिनेट के इस निर्णय के बाद प्रदेशभर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों में उत्साह और खुशी का माहौल है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी वर्षों पुरानी मांग को पूरा कर दिया गया है।

श्रीनगर राजकीय मेडिकल कॉलेज को नौ नए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति

पथ प्रवाह, देहरादून। राज्य के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए राहत भरी खबर है। राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में नौ नए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो गया है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने संविदा के आधार पर इन विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। इस निर्णय से कॉलेज में शिक्षण व प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

राजकीय मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में गठित साक्षात्कार समिति द्वारा वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से 9 विशेषज्ञ चिकित्सकों का चयन किया गया था। समिति की अनुशंसा पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नियुक्ति प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। नियुक्त किए गए विशेषज्ञ चिकित्सकों में डॉ. कुलदीप सिंह लालर को कार्डियोलॉजी विभाग, डॉ. देवेन्द्र कुमार को न्यूरोसर्जरी, तथा डॉ. इंदिरा यादव को रेडियोथैरेपी विभाग में प्रोफेसर पद पर तैनाती दी गई है। इसी प्रकार डॉ. सौरभ सचर को रेडियोडायग्नोसिस, डॉ. विक्की बख्शी को रेस्पिरेटरी मेडिसिन, और डॉ. शीबा राणा को ईएनटी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है।

वहीं डॉ. निधि बहुगुणा (ऑब्स एंड गायनी), डॉ. सुफीयां खान (नेत्र रोग), और डॉ. छत्रा पाल (इमरजेंसी मेडिसिन) को असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति दी गई है।

इन नियुक्तियों की अवधि तीन वर्ष अथवा नियमित नियुक्ति होने तक (जो भी पहले हो) के लिए निर्धारित की गई है। कॉलेज प्रशासन का मानना है कि इन विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती से एमबीबीएस छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालयों में मरीजों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में नौ विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति कर दी गई है। इससे शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार होगा। राज्य सरकार की मंशा प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में शत-प्रतिशत फैकल्टी की तैनाती सुनिश्चित करने की है।

एक नजर

मोरी पुलिस ने संगठित गिरोह के चार चरस तस्करों को किया गिरफ्तार, कार से कर रहे थे चरस की तस्करी एक किलो 109 ग्राम चरस बरामद

एसपी उत्तरकाशी ने पुलिस टीम को 2500 रुपये के पुरस्कार से किया सम्मानित

पथ प्रवाह, संवाददाता,उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले के मोरी थाना पुलिस ने ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक संगठित गिरोह के चार शातिर चरस तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक किलो 109 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। यह कार्रवाई मोरी-बिंगसारी बैण्ड के पास चेकिंग के दौरान की गई, जब ये अभियुक्त हुंडई कार से चरस की तस्करी कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के दिशा-निर्देशन में और पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट देवेन्द्र सिंह नेगी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मोरी मोहन कठैत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शहनवाज आलम, जावेद, सावेज और जितेन्द्र कुमार के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला कि ये सभी एक संगठित गिरोह के सदस्य हैं, जो लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे पहाड़ी क्षेत्रों से चरस एकत्र कर देहरादून और उसके आसपास के इलाकों में सप्लाई करते हैं। गिरोह दो वाहनों के माध्यम से तस्करी करता है एक वाहन आगे निकलकर रैकी करता है जबकि दूसरा वाहन पीछे से नशे का सामान लेकर चलता है। पुलिस की सतर्कता और मुखबिर तंत्र की सक्रियता से गिरोह के मंसूबे असफल रहे। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त सावेज के खिलाफ पूर्व में भी थाना पुरोला में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हो चुका है और वह जेल जा चुका है। चारों अभियुक्तों के विरुद्ध थाना मोरी पर धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गिरोह की पूरी सप्लाई चेन तक पहुंचने के लिए गहन जांच जारी है। बरामदगी में पुलिस ने एक किलो 109 ग्राम चरस (मूल्य लगभग 2.20 लाख रुपये) और दो वाहन हुंडई कार (च 07ञश्व 1963) तथा स्विफ्ट डिजायर (च 07ञष्ठ 8898) कब्जे में लिए हैं। पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल ने मोरी पुलिस टीम की इस सराहनीय सफलता पर उत्साहवर्धन हेतु टीम को 2500 रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

गिरफ्तार अभियुक्तः 1. शहनवाज आलम, निवासी ग्राम सांपला खत्री, थाना देवबंद, सहारनपुर (उ.प्र.), आयु 35 वर्ष

2. मोहम्मद जावेद, निवासी ब्रह्मणवाला, पटेलनगर, देहरादून, आयु 36 वर्ष

3. सावेज, निवासी तलहेड़ी बुजुर्ग, थाना देवबंद, सहारनपुर (उ.प्र.), आयु 30 वर्ष

4. जितेन्द्र कुमार, निवासी डिग्गी ढस्का, थाना ननौता, सहारनपुर (उ.प्र.), आयु 33 वर्ष

पुलिस टीमः मोहन सिंह कठैत (थानाध्यक्ष मोरी), भगत राम (अ.उ.नि.), सत्यपाल (कानि.), गणेश राणा (कानि.), बिशन (कानि.), अजय रमोला (कानि.) एवं होमगार्ड अनिल।

बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे के लद्दाख को है सरकार से मरहम का इंतजार - कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि जिस मंगोलिया के राष्ट्रपति उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में है वहां के लोगों में लद्दाख के बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे अत्यंत लोकप्रिय हैं लेकिन उनका लद्दाख इन दिनों उद्वेलित है और सरकार से मरहम की प्रतीक्षा में है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश मंगोलिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए लद्दाख का मुद्दा उठाया और कहा कि केंद्र सरकार को लद्दाख के लोगों की मांग पर विचार कर उनकी समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷मंगोलिया के राष्ट्रपति आज एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध वर्ष दिसंबर 1955 में स्थापित हुए थे। भारत ने अक्टूबर 1961 में मंगोलिया को संयुक्त राष्ट्र में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी। इस रिश्ते में निर्णायक मोड़ तब आया जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अक्टूबर 1989 में लद्दाख के अत्यंत लोकप्रिय एवं सम्मानित बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे को मंगोलिया में भारत का राजदूत नियुक्त किया। उन्होंने जनवरी 1990 में पदभार संभाला और असामान्य रूप से दस वर्षों तक वहाँ भारत के राजदूत रहे। रमेश ने कहा कि 1990 में साम्यवाद के पतन के बाद मंगोलिया को उसकी बौद्ध विरासत से दोबारा जोड़ने और उसे पुनर्जीवित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। मंगोलिया में आज भी उन्हें एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा कुशोक बकुला रिनपोछे का सम्मान किया है और यही वजह है कि 20 जून 2005 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लेह हवाई अड्डे का नाम बदलकर कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डा रखा और उन्हें आधुनिक लद्दाख के शिल्पकार÷ के रूप में सम्मानित किया। बौद्ध धर्म का पुनर्जागरण- न केवल मंगोलिया और पूर्व सोवियत संघ में, बल्कि भारत में भी - काफ़ी हद तक उनके प्रयासों का परिणाम है। कांग्रेस नेता ने कहा, ÷आज 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे का लद्दाख देश से मरहम की प्रतीक्षा कर रहा है, ख़ास तौर पर उस पार्टी के नेतृत्व से जिसने 2020 के स्थानीय हिल काउंसिल चुनावों के अपने घोषणापत्र में छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा का वादा किया था,लेकिन अब वह सत्ता में हो कर उसे पूरा करने से पीछे हट रही है।

दीपावली पर मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने में जुटा प्रशासन, उत्तरकाशी में खाद्य विभाग की सघन जांच दो दुकानदारों पर हुई कार्रवाई

पथ प्रवाह, संवाददाता,

उत्तरकाशी। दीपावली पर्व को लेकर उत्तरकाशी प्रशासन मिलावटखोरी पर सख्त हो गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने सोमवार को गंगौरी बाजार से लेकर भटवाड़ी बाजार तक खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान में विभाग ने कई दुकानों से खाद्य नमूने एकत्र किए।

सहायक आयुक्त खाद्य संरक्षा अश्वनी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम द्वारा जनरल स्टोर, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य विक्रेताओं की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान विभाग ने कुल पाँच नमूने दो घी के, एक मिठाई का, एक माउथ फ्रेशनर का और एक लड्डू का परीक्षण हेतु एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

निरीक्षण के दौरान दो खाद्य विक्रेताओं को एक्सपायरी तिथि वाले खाद्य पदार्थ बेचते हुए पकड़ा गया। दोनों दुकानदारों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 58 के अंतर्गत चालान की कार्रवाई की गई है।

अश्वनी सिंह ने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के निरीक्षण अभियान जिलेभर में लगातार जारी रहेंगे। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी दुकान पर मिलावटी या संदिग्ध खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे हों तो इसकी सूचना तुरंत खाद्य सुरक्षा विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन की कार्यशाला में 40 शिक्षकों ने सीखे विज्ञान शिक्षण के नवीन तरीके, प्रयोगों से जोड़ा पाठ्यक्रम को जीवन से

पथ प्रवाह, संवाददाता

उत्तरकाशी। अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन और यू-कॉस्ट उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उत्तरकाशी में दो दिवसीय विज्ञान शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी भटवाड़ी हर्षा रावत, जिला समन्वयक विनोद घिल्डियाल, डॉ. राजेश जोशी, अगस्त्य के एरिया लीड दयाशंकर और मास्टर ट्रेनर अशोक जीनाटा ने दीप प्रज्वलन कर किया।

कार्यशाला में जनपदभर से आए लगभग 40 शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षकों ने विज्ञान विषय को कक्षा-कक्ष में अधिक रोचक और प्रभावशाली बनाने के नवीन तरीकों को सीखा। प्रशिक्षण के दौरान प्रकाश, संतुलन, दाब तथा रासायनिक अभिक्रियाओं से संबंधित गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को सरल और मनोरंजक रूप में प्रस्तुत करने के प्रयोग कराए गए। शिक्षकों को यह भी सिखाया गया कि किस प्रकार कम लागत वाले शिक्षण मॉडल (लो-कॉस्ट मॉडल) तैयार करके बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि विकसित की जा सकती है।

कार्यशाला के दूसरे दिन जिला शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र अमोली ने स्वयं शिक्षकों के साथ कई गतिविधियों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान को यदि दैनिक जीवन से जोड़ दिया जाए, तो यह केवल विषय नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा बन जाता है। अमोली ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि कक्षा में प्रयोगात्मक शिक्षण बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करता है।

कार्यशाला के समापन अवसर पर शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए और दो दिनों के प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया। समापन सत्र में जिला शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र अमोली ने पुनः शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षा प्रणाली में नवाचार और प्रयोगशीलता को बढ़ावा देते हैं।

स्मैक माफिया मुस्कान गिरफ्तार बड़कोट पुलिस ने विकासनगर से दबोचा, यमुना घाटी के नवयुवकों को बना रहा था नशे का शिकार

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। यमुना घाटी में स्मैक का जाल फैलाने वाले मुख्य डीलर मुस्कान को बड़कोट पुलिस ने देहरादून के विकासनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। मुस्कान लंबे समय से पुलिस के रडार पर था और यमुना घाटी के नवयुवकों को स्मैक के दलदल में धकेलने का मुख्य स्रोत बताया जा रहा था।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोभाल के निर्देशन में ÷ड्रग फ्री देवभूमि÷ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अभियान के अंतर्गत सभी थाना प्रभारियों, एसओजी और एएनटीएफ टीमों को नशे के कारोबार में शामिल तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट देवेंद्र सिंह नेगी के मार्गदर्शन और थानाध्यक्ष बड़कोट दीपक कठैत के नेतृत्व में गठित टीम ने मुस्कान को शनिवार रात्रि कुंजाग्रांट, विकासनगर से गिरफ्तार किया। पुलिस जब अभियुक्त को आवश्यक कार्यवाही हेतु बड़कोट ला रही थी, तभी उसने बर्नीगाड़ के पास लघुशंका का बहाना बनाकर भागने की कोशिश की। हालांकि पुलिस की तत्परता से उसे पुनः लाखामंडल क्षेत्र से पकड़ लिया गया।

जुलाई 2025 में बड़कोट पुलिस ने जसवंत रावत और सौरभ चौहान नामक दो युवकों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया था। उनकी पूछताछ में खुलासा हुआ था कि यमुना घाटी में स्मैक मुस्कान नामक डीलर के माध्यम से पहुंचाई जा रही है। मुस्कान देहरादून के विकासनगर में बैठकर नशे की सप्लाई चैन चलाता था और युवकों से बड़ी रकम वसूलता था।

बड़कोट पुलिस ने कई महीनों की गहन जांच के बाद मुस्कान की गतिविधियों और संपर्कों की पड़ताल की। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और गवाहों के आधार पर धारा 29 हृष्ठक्क एक्ट में कार्रवाई करते हुए मुस्कान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब उसके नेटवर्क और सप्लाई चैन की तह तक जांच कर रही है।

अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस यह भी खंगाल रही है कि मुस्कान के तार किन-किन से जुड़े हैं और वह स्मैक कहां से लाता था।

गिरफ्तार अभियुक्त

मुस्कान पुत्र इसरार, निवासी कुंजाग्रांट, थाना विकासनगर, देहरादून, उम्र 23 वर्ष।

पुलिस टीम

1. दीपक कठैत, थानाध्यक्ष बड़कोट
2. भूपेंद्र सिंह रावत, उपनिरीक्षक
3. दिग्पाल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक
4. प्रमोद ध्यानी, मुख्य आरक्षी
5. सुरेश थपलियाल, मुख्य आरक्षी
6. गौरव रावत, मुख्य आरक्षी
7. जयपाल नेगी, आरक्षी

एक नजर

बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बालिकाओं ने जीते 12 स्वर्ण और 1 रजत पदक

पथ प्रवाह, पिथौरागढ। जिला खेल कार्यालय, पिथौरागढ़ के अधीन संचालित आवासीय बालिका बॉक्सिंग छात्रावास में प्रशिक्षणरत बालिकाओं ने 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित की गई राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 12 स्वर्ण और 1 रजत पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता मिनि स्टेडियम हल्द्वानी में आयोजित की गई। चैम्पियनशिप 2025-26 में 12 स्वर्ण सहित 01 रजत प्राप्त कर चैम्पियशिप अपने नाम की। प्रतियोगिता में छात्रावास की 13 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया और सभी ने प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया। अण्डर-17 बालिका वर्ग में अपने अपने भार वर्ग में साक्षी अधिकारी, माया राय, दीपिका कनवाल, गोदावरी राठौर, अलीशा, दिया, रिया, एवं खुशी थापा ने स्वर्ण पदक तथा याशिका ने रजत पदक प्राप्त किया। अण्डर-19 बालिका वर्ग में अपने-अपने भार वर्ग में जया बिष्ट, कृष्णा बघरी, अनुष्का आर्या एवं भूमि थापा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। समस्त बालिकायें छात्रावास, पिथौरागढ़ में सुनीता मेहता एवं कै. देवी चंद से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। जनपद आगमन पर विजेता बालिका खिलाड़ियों का स्पोर्ट्स स्टेडियम, पिथौरागढ़ में जोरदार स्वागत किया गया। छात्रावास के बॉक्सरों की उपलब्धि पर जिला बॉक्सिग संघ, पिथौरागढ़ के अध्यक्ष कमल पुनेड़ा, सचिव अजय राठौर, कोषाध्यक्ष बहादुर सिंह बोहरा, कै. देवी चंद, जर्नादन सिंह वल्दिया, राजेन्द्र सिंह जेठी, प्रकाश जंग थापा, विजेन्द्र मल्ल, निखिल महर, सुनीता मेहता, हेम उपाध्याय, जोगेन्दर बोहरा, जगत सिंह महरा, गौरव चन्द्र जोशी, पंकज भट्ट, गणेश सिंह आदि जनपद के समस्त खेल प्रेमियों ने खुशी व्यक्त कर आगामी टूर्नामेंट हेतु बॉक्सरों को शुभकामनायें दी है।

पुलिस और एसएसबी ने की सीमा क्षेत्र में सघन निगरानी और सुरक्षा

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ जनपद से लगे हुए अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों पर पुलिस पूरी तरह सतर्क रहते हुए अलर्ट मोड पर कार्य कर रही है। सीमा सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीमों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली झूलाघाट संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वार झूलाघाट क्षेत्र में हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में कॉम्बिंग की गयी। पिथौरागढ़ पुलिस आम जनमानस से अपील की है कि वे सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और सत्यापन संबंधी नियमों का पूर्ण पालन करें।

सेवा और सुरक्षा के भाव के साथ वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का समाधान

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की कुशलक्षेम जानने एवं उनकी समस्याओं के समाधान हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष मुनस्यारी अनिल आर्या के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थानाध्यक्ष थल प्रकाश चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुनस्यारी व थल क्षेत्र के दूरस्थ गाँवो का भ्रमण कर बुजुर्गों से आत्मीय भेंट की। उनकी निजी, पारिवारिक, स्वास्थ्य संबंधी एवं अन्य समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना गया तथा अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष समस्याओं का समाधान जल्द ही करने का आश्वासन दिया। पुलिस टीम ने बुजुर्गों को पुलिस सहायता नंबर 112 व मोबाइल नंबर 9411112982 की जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि किसी भी आपात स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। टीम के आत्मीय व्यवहार से प्रभावित होकर बुजुर्गों ने पुलिस को आशीर्वाद दिया और कहा कि पिथौरागढ़ पुलिस उनके लिए परिवार जैसी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह जनहितकारी अभियान निरंतर जारी रहेगा। पुलिस हर समय वरिष्ठ नागरिकों की सेवा व सुरक्षा के लिए तत्पर रहगी।

कटहरा बाजार की सड़क पर सीवर की गंदगी, नगर निगम पर भड़के व्यापारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। दीपावली का त्यौहार नजदीक है और हरिद्वार के ज्वालापुर स्थित कटहरा बाजार में आमतौर पर इस समय रौनक अपने चरम पर होती है। ग्राहकों की भीड़ से बाजार गुलजार रहता है और व्यापारी पूरे साल मंदी की मार झेलने के बाद इसी सीजन में अच्छी कमाई की उम्मीद करते हैं। लेकिन इस बार नगर निगम की लापरवाही ने त्योहार की चमक पर पानी फेर दिया है।

कटहरा बाजार की मुख्य सड़क पर सीवर लाइन के जाम होने के कारण गंदा पानी बह रहा है, जिससे पूरे बाजार में बदबू और गंदगी फैल गई है। हालात ऐसे हैं कि ग्राहक अब इस इलाके में खरीदारी के लिए आने से कतराने लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि सीवर ओवरफ्लो होने से न केवल व्यवसाय प्रभावित हुआ है, बल्कि ग्राहकों और राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत गोयल ने बताया कि नगर निगम बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, सरकार को जीएसटी के माध्यम से राजस्व देने वाले व्यापारी आज परेशान हैं, लेकिन नगर निगम को उनकी कोई सुध नहीं है। दीपावली के ठीक पहले बाजार की हालत नारकीय बनी हुई है।

पुनीत गोयल के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ कड़ा रोष व्यक्त किया और चेतावनी दी कि यदि जल्द सफाई और सीवर लाइन की मरम्मत नहीं की गई तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने निर्णय लिया है कि मंगलवार को मेयर किरण जैसल को ज्ञापन सौंपकर सीवर समस्या के तत्काल समाधान की मांग की जाएगी।

कटहरा बाजार के व्यापारियों का कहना है कि अगर जल्द ही नगर निगम ने सफाई कार्य शुरू नहीं किया, तो दीपावली सीजन की पूरी बिक्री प्रभावित हो जाएगी, जिससे स्थानीय व्यापार को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई : 16 लाख 96 हजार का जुर्माना वसूला, 13 वाहन सीज

त्योहारों के सीजन में कर चोरी रोकने को विभाग का ताबड़तोड़ अभियान, जीएसटी कमिश्नर सोनिका के निर्देश पर कार्रवाई तेज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कर चोरी रोकने के आह्वान के बाद जीएसटी विभाग ने प्रदेशभर में सख्त रुख अपनाया है। समूचे प्रदेश में जीएसटी की टीम चेकिंग अभियान चलाकर प्रदेश में राजस्व की बढोत्तरी कर रही है।निर्देशों के अनुपालन में हरिद्वार में जीएसटी विभाग की टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ही दिन में 13 वाहनों को सीज कर करीब 16 लाख 96 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया। दीपावली के मद्देनज़र यह विभाग की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है।

जीएसटी कमिश्नर सोनिका के निर्देश पर विभाग की टीमें सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर सक्रिय रहीं। धनौरी, टोल प्लाजा और आसपास के क्षेत्रों में चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान कई वाहन बिना जीएसटी बिल के माल ढोते हुए पकड़े गए। जांच में बिल और कर दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर वाहनों को मौके पर ही सीज कर रोशनाबाद स्थित मुख्य कार्यालय में लाया गया, जहां माल की गणना के बाद जुर्माने की कार्रवाई की गई।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, एक अन्य वाहन का माल अभी गणना प्रक्रिया में है, जिससे जुर्माने की राशि में और वृद्धि होने की संभावना है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दीपावली से पहले कर चोरी की आशंका बढ़ जाती है, ऐसे में जीएसटी टीम लगातार निगरानी और छापेमारी अभियान चला रही है। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक सघनता के साथ जारी रहेगा ताकि प्रदेश में अवैध व्यापार और कर चोरी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

जीएसटी विभाग की इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मचा रहा। जबकि विभागीय सूत्रों के अनुसार आगे भी इसी तरह के औचक चेकिंग अभियान जारी रहेंगे।

जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी को दी गई भावभीनी विदाई, साझा किये प्रेरक अनुभव

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़।

विकास भवन सभागार, पिथौरागढ़ में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी के सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह विकास भवन परिवार द्वारा उनके स्थानांतरण के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस विभाग, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भावनात्मक उपस्थिति दर्ज की।

समारोह का उद्देश्य न केवल उन्हें विदाई देना था, बल्कि जनपद पिथौरागढ़ में उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक नेतृत्व, दूरदर्शी कार्यशैली, पारदर्शिता और मानवीय दृष्टिकोण के प्रति आभार प्रकट करना भी था। अपने लगभग 13 माह के कार्यकाल में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने पिथौरागढ़ जनपद में अनेक विकासात्मक और जनहितकारी कार्यों को दिशा दी। उनके कार्यकाल में नैनीसैनी एयरपोर्ट के उच्चीकरण की प्रक्रिया को गति मिली, जिससे सीमांत जनपद के वायु संपर्क का सपना साकार होने की दिशा में ठोस कदम बढ़े। सीमांत क्षेत्रों में एडवेंचर टूरिज़्म एवं बॉर्डर टूरिज़्म को बढ़ावा देने हेतु नई पहलें शुरू की गईं, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिले। आपदा प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाते हुए प्रशासन ने पर्वतीय भूगोल के अनुरूप नई रणनीतियाँ अपनाईं। उन्होंने जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया। 'मिशन जीवन', 'स्वच्छता अभियान' और हर घर जल योजना जैसे कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए ग्राम स्तर तक सक्रिय निगरानी तंत्र विकसित किया।अपने संबोधन में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने कहा कि पिथौरागढ़ उनके लिए केवल कार्यस्थल नहीं बल्कि एक अनुभव और सीख का विद्यालय रहा। उन्होंने जनपद की जनता, जनप्रतिनिधियों, मीडिया और अपने सभी सहकर्मियों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने हर परिस्थिति में साथ दिया। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी जनता की मुस्कान ही उनके कार्य का सबसे बड़ा पुरस्कार रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफलता की कामना की। विकास भवन परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। प्रशासनिक नेतृत्व का मानवीय स्पर्श जिलाधिकारी गोस्वामी ने अपने कार्यकाल के दौरान सदैव जन-संवेदनशीलता और संवाद आधारित प्रशासन को प्राथमिकता दी। जनसुनवाई में जनता की समस्याओं को सुनना, त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को दिशा देना और नागरिकों में प्रशासन के प्रति विश्वास स्थापित करना उनके कार्य का मुख्य आधार रहा। उन्होंने पर्वतीय भौगोलिक चुनौतियों के बीच भी विकास की रफ्तार को बनाए रखा। दूरस्थ क्षेत्रों के निरीक्षणों के दौरान स्थानीय जनता से सीधे संवाद कर योजनाओं के जमीनी प्रभाव का आकलन किया और आवश्यक सुधारों के निर्देश दिए।

सहकर्मियों ने साझा किए प्रेरक अनुभव

समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने जिलाधिकारी गोस्वामी के साथ कार्य करने के अपने अनुभव साझा किए। सभी ने उनकी लीडरशिप, टीम भावना, निर्णय क्षमता और शांत स्वभाव की सराहना की। सीडीओ डॉ दीपक सैनी, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि उनके नेतृत्व में प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और सहयोग की भावना विकसित हुई।

गंगोत्री धाम में संघ का शताब्दी वर्ष उत्सव, स्वयंसेवकों के पथ संचलन से गूंजा माँ गंगा तट, राष्ट्रनिर्माण का संदेश हुआ प्रसारित

पथ प्रवाह, संवाददाता, गंगोत्री।

माँ गंगा के पावन तट गंगोत्री धाम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष समारोह श्रद्धा और अनुशासन के अद्भुत संगम के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन कर संघ सरिता बह रही है के जयघोष से सम्पूर्ण धाम को राष्ट्रभावना से ओतप्रोत कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विभाग संघचालक गुलाब सिंह नेगी ने 1925 से 2025 तक संघ की शताब्दी यात्रा में स्वयंसेवकों के योगदान और बलिदानों का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान संघ स्वयंसेवकों ने सरहद तक सेना का सामान पहुँचाने, मार्ग निर्माण और हवाई पट्टी तैयार करने का कार्य किया, जिससे प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1963 के गणतंत्र दिवस परेड में संघ को आमंत्रित किया था।

नेगी ने संघ पर लगे तीन ऐतिहासिक प्रतिबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहला 1948 में गांधीजी की हत्या के आरोप में, दूसरा 1975 में आपातकाल के दौरान और तीसरा 1992 में अयोध्या प्रकरण के बाद लगाया गया परंतु तीनों ही मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने आरोपों को निराधार बताया और सरकारों को प्रतिबंध वापस लेने पड़े।

उन्होंने कहा कि 1989 में पूज्य डॉ. हेडगेवार की जन्मशताब्दी पर संघ ने देश के प्रत्येक जनपद तक अपना कार्य पहुंचाया, 2006 में गुरुजी गोलवलकर की शताब्दी पर कार्य खण्ड स्तर तक विस्तारित हुआ, और अब 2025-26 में संघ की शताब्दी वर्ष योजना देश के हर मंडल, नगर और बस्ती तक पहुँचाने का लक्ष्य रखती है।

इस अवसर पर उन्होंने प्रत्येक स्वयंसेवक से समाज में ÷पंच परिवर्तन÷—कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी अपनाने और नागरिक कर्तव्य पालन— की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ सामूहिक भोजन, भजन और संवाद से समरस समाज का निर्माण संभव है।

नेगी ने कहा कि संघ का आधार समरसता है, जहाँ जात-पात और छुआछूत का कोई स्थान नहीं। समरस समाज से ही राष्ट्र का सशक्त विकास संभव है। पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने जन्मदिवस, विवाह और अन्य उत्सवों पर वृक्षारोपण करने का आग्रह किया तथा स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील सेमवाल ने की। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य माँ गंगा की अविरल धारा की तरह निरंतर प्रवाहित होकर राष्ट्र को एकता और अनुशासन की प्रेरणा देता रहे। इस अवसर पर उत्तरकाशी जिला प्रचारक गौत्तम, भटवाड़ी खंड चालक कुशला प्रसाद रतूड़ी, भटवाड़ी खंड कार्यवाहक सतवीर नेगी, मुखबा मंडल कार्यवाह नटवर नौटियाल, मुख्य शिक्षक बद्री, प्रधानाचार्य वृज मोहन उनियाल, हरीश सेमवाल रावल, अशोक सेमवाल, रमेश चौहान अध्यक्ष जिला पंचायत उत्तरकाशी, नागेन्द्र चौहान जिला अध्यक्ष भाजपा, रमेश सेमवाल पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका, जितेन्द्र राणा, कुशाल सिंह नेगी, राजेश सेमवाल, डॉ. सुशील बडोनी विवेकानंद हेल्थ मिशन, अमित सेमवाल, हरीश डंगवाल, परशुराम ममगांई, हरीश नोटियाल, सुमित रतूड़ी, अखिलेश सेमवाल, नरेश सेमवाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

एक नजर

एएचटीयू की टीम ने स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ पुलिस की प्रभारी एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) सतीश शर्मा के नेतृत्व में एएचटीयू टीम द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गुरना में भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, बाल विवाह, नशे के दुष्परिणाम एवं मानव तस्करी की रोकथाम विषय पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान हेड कॉन्स्टेबल प्रेम बल्लभ छिमवाल, कॉन्स्टेबल महेन्द्र मेहर, कॉन्स्टेबल रणवीर कम्बोज तथा सी.डब्ल्यू.सी. कर्मचारी उपस्थित रहीं। साथ ही विद्यालय शिक्षण स्टाफ ने भी सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को भिक्षावृत्ति, बाल श्रम एवं मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, संबंधित कानूनी प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों तथा इन समस्याओं के समाधान में समाज की भूमिका पर भी चर्चा की गई। इस प्रकार के अभियानों के माध्यम से पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा निरंतर समाज को जागरूक करने एवं जनपद को बाल श्रम एवं मानव तस्करी मुक्त बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

आईआरसीटीसी मामला में लालू, राबड़ी, तेजस्वी सहित कई लोगों पर आरोप तय

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को कथित भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और कई अन्य के खिलाफ कई आपराधिक आरोप तय कर दिए। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीए एक्ट) विशाल गोगने ने आज मामले की सुनवाई की। इसमें बिहार के पूर्व रेल मंत्री पर भ्रष्टाचार, आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पुत्र तेजस्वी यादव पर भी षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई आरोप तय हुये हैं। सभी आरोपियों ने अदालत से कहा कि वे इस मामले में निर्दोष हैं। इसके बाद से मामले का अदालत में चलने का रास्ता खुल गया । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का आरोप है कि 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में श्री यादव और उनके परिजनों ने एक निजी फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया। आरोपियों में आईआरसीटीसी के पूर्व अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

कुमाऊं द्वार महोत्सव का शुभारंभ, सीएम धामी बोले —हमारी अस्मिता और जड़ों से जुड़ाव का उत्सव

पथ प्रवाह, हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को एम.बी. इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित पांच दिवसीय कुमाऊं द्वार महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह महोत्सव हमारी अस्मिता, पहचान और जड़ों से जुड़ाव का प्रतीक है तथा युवा पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का सार्थक प्रयास है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे लोक कलाकारों को मंच देने और उनकी कला को सम्मानित करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि तकनीकी युग में भी हमारी परंपराएं जीवित हैं, और यह महोत्सव इसका प्रमाण है। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तराखंड की ब्रह्मकमल टोपी पहनने के बाद यह अब राज्य की पहचान बन चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लोक भाषा, संस्कृति और लोक कलाकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कोविड काल में 3200 पंजीकृत कलाकारों को 2000 प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी गई थी तथा वरिष्ठ कलाकारों को

पेंशन भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने ÷स्वदेशी अपनाओ, देश को मजबूत बनाओ÷ का आह्वान करते हुए स्थानीय उत्पादों के उपयोग की अपील की। उन्होंने लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, आईजी रिद्धिमा अग्रवाल, एसएसपी पीएस मीणा, प्रभारी जिलाधिकारी अनामिका सहित अनेक जनप्रतिनिधि, लोक कलाकार और भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

देश में दिवाली, धनतेरस, शादी की खरीद से 7.58 लाख करोड़ के व्यापार टर्नओवर का अनुमान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी वस्तुएं अपनाये जाने का आह्वान एवं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार के बाद त्योहारी सीजन में लोगों में खरीददारी के प्रति उत्साह नजर आ रहा है और देश में दिवाली, धनतेरस, ब्याह-शादी की खरीद से 7.58 लाख करोड़ के व्यापार टर्नओवर का अनुमान हैं। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल (बीयूवीएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने सोमवार को यहां बताया कि बीयूवीएम द्वारा मुम्बई, जयपुर, दिल्ली, चंडीगढ़ हैदराबाद, कानपुर, पटना, कलकत्ता सहित विभिन्न स्थानों के प्रतिनिधियों की दीपावली तथा ब्याह-शादी पर व्यापारिक अनुमान लगाने के लिये समिति का गठन कर यह अनुमान जारी किया गया। श्री गुप्ता एवं महामंत्री मुकुन्द मिश्रा एवं हेमन्त गुप्ता ने गठित कमेटी के व्यापारिक टर्नओवर अनुमान को जारी किया जिसमें स्टील बर्तन तथा किचन में काम आने वाली अन्स एसेसरीज 30 हजार करोड़, एलुमिनियम, पीतल, तांबा के बर्तन 20 हजार करोड़;, जूते-चप्पल, अटैची, बेल्ट व पर्स (लेडिज एवं जेन्ट्स) 25 हजार करोड़, बच्चों के खिलौने (सादा एवं ऑटोमैटिक) तथा बच्चों के कपड़ें, जूते 10 हजार करोड़ एवं गलीचे, गद्दे, पर्दे, दरी-पट्टी, पर्दे टांगने के सामान के 15 हजार करोड़ का व्यापार टर्नओवर होने का अनुमान जताया गया हैं। इसी तरह कलर-पेन्ट 20 हजार करोड़, डेकोरेशन लाईट-हण्डे 22 हजार करोड़, इलैक्ट्रोनिक्स 40 हजार करोड़, होम अप्लायन्सेज 10 हजार करोड़, पूजा की सामग्री, लक्ष्मीजी की तस्वीर एवं गन्ना चार हजार करोड़, मिट्टी की दीपक, मोम के दीपक, मिट्टी के बर्तन, मिट्टी की भगवान की मूर्तियां दो हजार करोड़, साड़ी, सलवार-शूट, पेन्ट-शर्ट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा, साफा शादी के बेस 20 हजार करोड़, ड्राइफ्रूट्स 30 हजार करोड़, टैण्ट, इवेन्ट, कैटरिंग 40 हजार करोड़, फूलमाला, डेकोरेशन आईटम्स 15 हजार करोड़, गिफ्ट आईटम्स 10 हजार करोड़, सभी प्रकार की कारें, बसें, ट्रक, ट्रेक्टर, ट्रॉली, सिंचाई में काम आने वाले स्प्रिंक्लर, ऑटोरिक्शा, टैम्पू, ई-रिक्शा, स्कूल बस, मोटर-साईकिल 1.30 लाख करोड़ एवं आभूषण गोल्ड-जड़ाऊ, आभूषण चांदी, आभूषण गोल्ड, चांदी के बर्तन, चौकियां 50 हजार करोड़ की बिक्री होने का अनुमान है।

उन्होंने बताया कि इसी तरह नमकीन, मिठाई, टॉफी, कैडबरी चॉकलेट, अंकल चिप्स, कुरकुरे 10 हजार करोड़, भूखण्ड, तैयार मकान, फ्लैट, विला, दुकाने, बजरी, ईंट, बिड़ला पुट्टी, रोड़ी, पत्थर 1.20 लाख करोड़, चूड़ियां, बिन्दी, काजल, कॉस्मेटिक सामान, इत्र, परफ्यूम, पाउडर पांच हजार करोड़, ग्रोसरी, आटा, तेल, दाल, चावल, मसाले, गरम मसाले, बेसन, चीनी एक लाख करोड़, फर्नीचर, हार्डवेयर, बाथरूम फिटिंग्स, रेडीमेड किचन्स 20 हजार करोड़, तथा कम्प्यूटर, आई.टी. एवं इसके उपकरण 10 हजार करोड़ के व्यापार होने का संभावित अनुमान लगाया गया है।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com